

DEPARTMENT OF PG STUDIES & RESEARCH IN HINDI & LINGUISTICS

Details of Board of Studies (BOS) meeting (Department of PG Studies and Research in Hindi and Linguistics)

As per the recorded BOS minutes, the details are as under mentioned:

1. **Agenda:** To discuss the syllabus of M.A Hindi (CBCS)
To discuss the syllabus of M.A Hindi (CBCS) following members were present:
 - i. Prof. Neena Upadhyaya- Chairperson, BOS
 - ii. Dr. Caroline Abraham- Member
 - iii. Dr. Vandana Shukla – Member

Decision: The members suggested the inclusion of following topics in the syllabus of M.A Hindi CBCS in light of regional awareness, gender sensitization and environmental awareness **with more than 20% revision** in the syllabus:

1. In M.A. Semester I, paper -2, Unit- 5 following women writers were added-
 - i. Janabai (from Maharashtra)
 - ii. Saint Lallehwari (from Kashmir)
 - iii. Andal (the only Tamil female Alvar saint)
2. Following regional authors were added in M.A. Ist Semester, Paper-4:
 - i. Sanatan Kumar Bajpai
 - ii. Raas Bihari Pandey
 - iii. Shri Ram Thakur Dada
3. Following regional story writers were added in M.A. IInd Semester, Paper-4:
 - i. Acharya Bhagwat Dubey
 - ii. Rajkumar Tiwari
 - iii. Indra Bahadur Khare
4. In M.A. IIIrd Semester, Paper-3, 'Narmada Teere-Teere' by Shri Amrit Lal Begad has been added
5. In M.A. IIIrd Semester optional Paper-4 (Prayojanmool) 'Uses of Social Media' has been added

2. **Agenda:** Preparation of LOCF based syllabus
A meeting of BOS was conducted on 18/8/2021 in the Department of Hindi and Linguistics.
Following members were present:
 - i. Prof. Neena Upadhyaya- Chairperson, BOS
 - ii. Prof. Dheerendra Pathak- Prof-in-Charge, Department of Hindi
 - iii. Dr. Arun Shukla - Member
 - iv. Dr. RamendraPrasd Ojha – Member

Decision: The recommendations of BOS related to LOCF as per UGC guidelines has been approved

3. **Agenda:** To approve the syllabus of two diploma courses in the Department:
 1. 'VartamanYug Mein RaamcharitmanaskiPrasangikta'
 2. 'RojgaronmukhiPrayojanmulak Hindi'

Following members were present in the meeting:

 1. Dr. Neena Upadhyaya- Chaiperson, BOS (Mankunwar Bai Women's College, Jabalpur)

2. Dr. Arun Shukla- Member (Mahakaushal Arts and Commerce College, Jabalpur)
3. Dr. Vandana Shukla- Member (Mahakaushal Arts and Commerce College, Jabalpur)
4. Dr. Ramendra Prasad Ojha- Member (St. Aloysius College, Jabalpur)

Decision: 1. The syllabus of one-year diploma in 'Vartaman Yug Mein Raamcharitmanas ki Prasangikta' consists of two papers and one project. The detailed syllabus for the same has been presented to Executive Council for the approval.

2. The syllabus of one-year diploma in 'Rojgaronmukhi Prayojanmulak Hindi' consists of two papers and one project. The detailed syllabus for the same has been presented to Executive Council for the approval.

4. Agenda: To approve the syllabus of two diploma courses in the Department:

1. 'VartamanYug Mein RaamcharitmanaskiPrasangikta'
2. 'RojgaronmukhiPrayojanmulak Hindi'

Following members were present in the meeting:

1. Prof. Dheerendra Pathak- Head of the Department, Department of Hindi and Linguistics, RDVV
2. Dr. Neena Upadhyaya- Chaiperson, BOS (Mankunwar Bai Women's College, Jabalpur)
3. Dr. Arun Shukla- Member (Mahakaushal Arts and Commerce College, Jabalpur)
4. Dr. Vandana Shukla- Member (Mahakaushal Arts and Commerce College, Jabalpur)
5. Dr. Ramendra Prasad Ojha- Member (St. Aloysius College, Jabalpur)

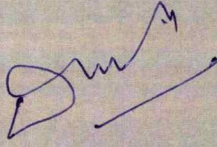
Decision: 1. The syllabus of one-year diploma in 'Vartaman Yug Mein Raamcharitmanas ki Prasangikta' that has been approved by the Executive Council was accepted by the BOS and marking scheme of the papers was divided.

2. The syllabus of one-year diploma in 'Rojgaronmukhi Prayojanmulak Hindi' that has been approved by the Executive Council was accepted by the BOS and marking scheme of the papers was divided.

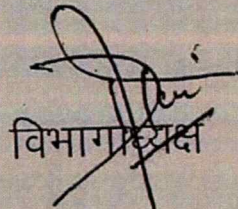

Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur

अध्ययन मंडल बैठक की अनुशंसा

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर में दिनांक 19 जून, 2019 की अध्ययन मंडल बैठक में एम.ए. हिंदी सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम में स्थानीयता, लैंगिक समानता और पर्यावरणीय चेतना को दृष्टिगत रखते हुए 20 प्रतिशत पाठ्य सामग्री को जोड़ा गया। जिसकी अनुशंसा अध्ययन मंडल अध्यक्ष सहित हिंदी विभागाध्यक्ष एवं उपस्थित सभी सदस्यों ने किया।



Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur



विभागाध्यक्ष

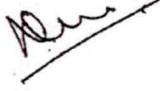
हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग,


रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर


हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में बैठक संबंधी

आजदिनांक 05 नवंबर, 2020 को हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष की उपस्थिति में अध्ययन मंडल की अध्यक्ष की अध्यक्षता में विभाग के दो डिप्लोमा

1. वर्तमान युगमें रामचरितमानस की प्रासंगिकता
2. रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी के पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अध्ययन मंडल की अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों की उपस्थिति रही-

डॉ. नीना उपाध्याय – अध्यक्ष, अध्ययन मंडल (मानकुंवर बाई महिला महावि. जबलपुर) 

डॉ. अरुण शुक्ल मनोनीत सदस्य (महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर) 

डॉ. वंदना शुक्ला सदस्य (महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर) 

डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा सदस्य (सेंट अलायशियस महाविद्यालय, बलपुर)

कार्यवाई संबंधी विवरण-

1. 'वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्य क्रम, जो कि दो प्रश्नपत्र एवं एक परियोजना कार्य के रूप में विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करके कार्य परिषद् में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत ।
2. 'रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि दो प्रश्नपत्र एवं एक परियोजना कार्य के रूप में विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार करके कार्य परिषद् में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत ।



हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में बैठक संबंधी

आजदिनांक 16 अगस्त, 2021 को हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में अध्यक्ष की अध्यक्षता में विभाग के दो डिप्लोमा

1. वर्तमान युगमें रामचरितमानस की प्रासंगिकता
2. रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी
के पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अध्ययन मंडल की अध्यक्ष सहित सभी सदस्यों की उपस्थिति रही –
प्रो. धीरेन्द्र पाठक – अध्यक्ष, हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रा.दु.वि.वि. जबलपुर

डॉ. नीना उपाध्याय – अध्यक्ष, अध्ययन मंडल (मानकुंवर बाई महिला महावि. जबलपुर)


डॉ. अरुण शुक्ल मनोनीत सदस्य (महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर)

डॉ. वंदना शुक्ला सदस्य(महाकोशल कला एवं वाणिज्य महावि. जबलपुर)

डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा सदस्य (सेंट अलायशियस महाविद्यालय, जबलपुर)

कार्यवाई संबंधी विवरण-

1. 'वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित है, उसे यथावत स्वीकार किया गया एवं प्रश्नपत्रों में अंकों का विभाजन किया गया।
2. 'रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी' एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित है, उसे यथावत स्वीकार किया गया एवं प्रश्नपत्रों में अंकों का विभाजन किया गया।


Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur



हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग

हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती

विश्वविद्यालय, जबलपुर में आज दिनांक 19/06/

2019 को एमएलसीसीएस पाठ्यक्रम

के संबंधी संबंध में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता

अध्ययन मंडल (हिंदी) की

में बैठक संपन्न हुई जिसमें निम्न लोग

शामिल हुए

प्रो. नीना उपाध्याय (अध्ययन मंडल अध्यक्ष)

डॉ. कैरोलिन अग्रहम (अध्ययन मंडल सदस्य)

डॉ. वंदना शुक्ला (अध्ययन मंडल सदस्य)

Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur

विभागाध्यक्ष
हिन्दी एवं भाषाविज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
जबलपुर

हिंदी एवं साक्षात्विज्ञान विभाग

हिंदी एमएल सी बी सी एस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित

पाठ्य सामग्री को स्थानीयता, लैंगिक समानता और

पर्यावरणीय चेतना को दृष्टिगत रखते हुए जोड़ा जा

रहा है -

→ एमएल प्रथम सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र के अंतर्गत

पाँचवी इकाई के पुनः पाठ के कवि के साथ भारत

की संत परंपरा में महिला संत साहित्यकारों के

योगदान के रूप में -

1. जनाबाई - जो कि महाराष्ट्र प्रांत की हैं।

2. संत लल्लेश्वरी - जो कश्मीर की प्रसिद्ध संत हैं।

3. आण्डाल - तमिल की एकमात्र महिला आलवार

संत हैं।

को शामिल किया गया है।

→ एमएल प्रथम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र के अंतर्गत

पुनः पाठ के रूप में स्थानीय साहित्यकार के व्यक्तित्व

एवं कृतित्व के लिए - सनातन कुमार बाजपेयी सनातन

— रास बिहारी पाण्डेय व्यंग्य उपन्यासकार

डॉ. श्रीराम साकुर दादा - व्यंग्य उपन्यासकार

को शामिल किया गया है।

→ एमएच द्वितीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्न पत्र के अंतर्गत

दुतपाठ के रूप में स्थानीय कहानीकार के रूप में

- आचार्य भगवत दुबे

- डॉ. राजकुमार तिवारी 'सुमित्र'

- इन्द्र बहादुर खरे

को व्यक्तित्व और कृतित्व परिचय के अध्ययन के लिए शामिल किया गया है।

→ एमएच तृतीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्न पत्र आधुनिक हिंदी

काव्य में कुछ दुतपाठ के लिए डॉ. इला घोष एवं

डॉ. लक्ष्मी शर्मा के व्यक्तित्व और कृतित्व को शामिल किया

→ एमएच तृतीय सेमेस्टर के तृतीय प्रश्न पत्र नाटक निबंध पर

अन्य गद्य विधाएँ में यात्रा सँस्मरण विधा के रूप में

श्री अमृत लाल बेगड़ द्वारा नर्मदा तीरे-तीरे को शामिल किया।

→ एमएच तृतीय सेमेस्टर के चतुर्थ वैकल्पिक प्रश्न पत्र -
प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत - सोशल मीडिया
की उपयोगिता को शामिल किया गया।

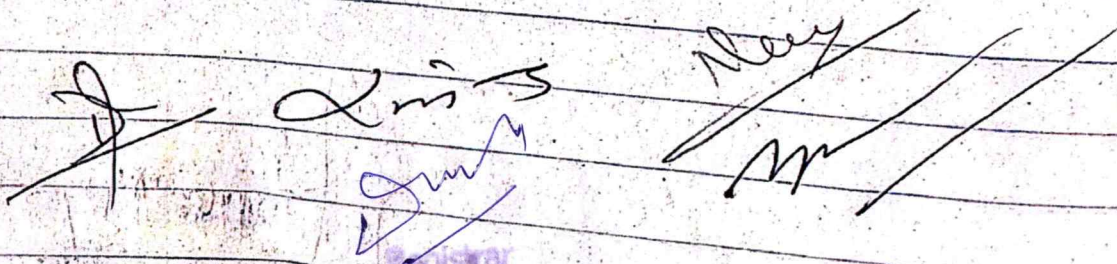
हिंदी एवं साक्षात्ज्ञान विभाग अध्ययन मंडल की बैठक

हिंदी एवं साक्षात्ज्ञान विभाग राण्डुविठिक में आज दिनांक 18/08/2021 को हिंदी अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित हुई। जिसमें अध्यक्ष एवं सदस्यों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा अक्षिप्त LOCF आधारित पाठ्यक्रम निर्माण पर चर्चा हुई।

- 1. डॉ. नीना उपाध्याय - अध्यक्ष अध्ययन मंडल
- 2. प्रो. धीरेन्द्र पाठक - प्रभारी अध्यक्ष, हिंदी विभाग
- 3. डा. अरुण शुक्ल - सदस्य
- 4. डा. रामेन्द्र प्रसाद आर्या - सदस्य

विषय - हिंदी एमएचए अध्ययन के लिए LOCF आधारित पाठ्यक्रम - उपदेश्य, आधिगम परिणाम सहित क्रेडिट अंक के अनुसार पाठ्यक्रम को तैयार करके मान्य कराना।

निर्णय - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित LOCF आधारित पाठ्यक्रम के निर्माण किए जाने की संसुति ली गई।



हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में अध्ययन मंडल की बैठक

आज दिनांक 17 अगस्त, 2021 को हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में सीबीसीएस प्रणाली आधारित दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अनुमोदन हेतु हिंदी अध्ययन मंडल की बैठक का आयोजन किया गया।

1. सीबीसीएस हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर – वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता

प्रथम प्रश्नपत्र – मानस का भाषीय स्वरूप

द्वितीय प्रश्नपत्र – मानस में प्रबंधन

तृतीय प्रश्नपत्र – वैकल्पिक –क. कंब रामायण /ख. कृतिवास रामायण

चतुर्थ प्रश्नपत्र – रामायण मीमांसा प्रोजेक्ट कार्य रामगाथा का वैज्ञानिक अध्ययन

द्वितीय सेमेस्टर – वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता

प्रथम प्रश्नपत्र – मानस का सांस्कृतिक समन्वय

द्वितीय प्रश्नपत्र – रामचरितमानस पर्यावरणीय अध्ययन

तृतीय प्रश्नपत्र –क. विश्व रामायण और अंतरराष्ट्रीय सौहार्द /ख. नेपाली रामायण /
ग. इंडोनेशिया की रामकथा /घ. थाईलैंड की रामकथा

चतुर्थ प्रश्नपत्र – अयोध्या शोध केंद्र

Handwritten signature

Handwritten signature
Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur

Handwritten signature

2. सीबीसीएस हिंदी डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर – रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम प्रश्नपत्र – कामकाजी हिंदी

द्वितीय प्रश्नपत्र – पारिभाषिक शब्दावली

तृतीय प्रश्नपत्र – वैकल्पिक –प्रिंट मीडिया /इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

चतुर्थ प्रश्नपत्र – कार्यालयों में हिंदी का उपयोग

द्वितीय सेमेस्टर – रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम प्रश्नपत्र – पत्रकारिता

द्वितीय प्रश्नपत्र – अनुवाद

तृतीय प्रश्नपत्र – रेडियो रूपक / फीचर फिल्म /संचार माध्यम

चतुर्थ प्रश्नपत्र – प्रोजेक्ट डाक व्यवस्था में हिंदी / बैंकिंग व्यवस्था में हिंदी

कार्यवाई संबंधी विवरण –

1. 'वर्तमान युग में रामचरितमानस की प्रासंगिकता' सीबीसीएस प्रणाली आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित है, उसे यथावत स्वीकार किया गया।
2. 'रोजगारोन्मुखी प्रयोजनमूलक हिंदी' सीबीसीएस प्रणाली आधारित एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, जो कि विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित है, उसे यथावत स्वीकार किया गया।

New

Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur

प्रो. धीरेन्द्र पाठक, विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग, रादुविवि, जबलपुर


हिन्दी एवं भाषाविज्ञान विभाग
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
जबलपुर

डॉ. नीना उपाध्याय अध्यक्ष, अध्ययन मंडल मानकुंवर बाई महिला महाविद्यालय, जबलपुर

डॉ. अरुण शुक्ल सदस्य, महाकोशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर

डॉ. वंदना शुक्ल सदस्य, महाकोशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर

डॉ. रामेन्द्र ओझा सदस्य, सेंट अलायशियस महा विद्यालय, जबलपुर

अध्ययन मंडल की संरक्षिता - 

प्रो. (डॉ.) नीना उपाध्याय
चेयरमैन
बोर्ड ऑफ स्टडीज (हिन्दी)
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

डॉ. अरुण शुक्ल
प्रोफेसर, हिन्दी
शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य
स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर म.प्र.


Registrar
Rani Durgavati Vishwavidyalaya
Jabalpur

डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
संत अन्नाबतिबठ स्वशासी महाविद्यालय
जबलपुर